पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

खण्ड–XXX अंक–15 15 अगस्त, 2025

जड़ चेतन जग जीव जत सकल राममय जानि।
बंदउँ सब के पद कमल सदा जोरि जुग पानि।।

जगत में जितने जड़ और चेतन जीव हैं, सबको राममय जानकर मैं उन सबके चरणकमलों की सदा दोनों हाथ जोड़कर वन्दना करता हूँ। **श्रीरामचरितमानस 7 (ग)**

स्वतंत्रता दिवस समारोह सम्पन्न

15 अगस्त, 2025 स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ खुशनुमा माहौल में अत्यन्त उत्साह एवं उल्लास से संस्थान समुदाय के साथ मनाई गई। संस्थान निदेशक, प्रो. रंगन बनर्जी ने नियत समय पर ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात डोगरा हॉल में उत्साहवर्धक माहौल में समारोह प्रारम्भ हुआ। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह अत्यन्त भव्य रहा। निदेशक महोदय के संक्षिप्त व सारगर्भित उद्बोधन में नया दिशा–निर्देश समाया रहा। कार्यक्रम के प्रारम्भ में नर्सरी स्कूल व केंद्रीय विद्यालय, आई.आई.टी. दिल्ली के बच्चों द्वारा देशभक्ति से ओत–प्रोत प्रस्तुतियाँ दी गई। तत्पश्चात, बीआरसीए की अद्भुत प्रस्तुतियों ने अमित छाप छोड़ी। संस्थान के फाइन आर्ट्स क्लब द्वारा प्रस्तुत सुंदर चित्रकारी, ड्रामा क्लब द्वारा ड्रामा की प्रस्तुति ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्तरराष्ट्रीय विद्यार्थियों की प्रस्तुती ने सभी को जोश से भर दिया। इसके बाद निदेशक महोदय ने प्रसन्नता के साथ चयनित स्टाफ सदस्यों को 'संस्थान अवार्ड' एवं सुरक्षाकर्मियों को 'सिक्योरिटी यूनिट अवार्ड' प्रदान किए।

निदेशक महोदय का उद्बोधन
(अनुदित संक्षिप्त सार)

निदेशक महोदय नें इस पावन अवसर पर सभी का स्वागत करते हुये संस्थान समुदाय को स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ की बधाई एवं शुभकामनायें दीं। उन्होंने कहा कि मैं यह देखकर अभिभूत हूँ कि इस अवसर पर स्कूली एवं संस्थान विद्यार्थी, स्टाफ व संकाय तथा उनके परिवारजन आज यहां एकत्र हुए हैं।

मैं इस अवसर पर यह सोचता हूँ कि हमारे लिए स्वतंत्रता का क्या अर्थ है? हमें यह स्वतंत्रता हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के प्रयासों और बलिदानों के आधार पर मिली है, लेकिन आज भी हमारे लिए आर्थिक स्वतंत्रता और विचारों की स्वतंत्रता होना बहुत महत्वपूर्ण है। आपने पिछले वर्ष देखा होगा कि सुरक्षा बलों और रक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर में यह सुनिश्चित किया हैं कि हमें अपने अधिकारों और सीमाओं की रक्षा करने में स्वतंत्रता प्राप्त है।

आज आत्मनिर्भर होने की जरूरत है, आज हमें ऐसी तकनीकों की जरूरत है जो हमारे उद्योगों के पास हो। आज हम

ऐसा कर पा रहे हैं और आई.आई.टी. दिल्ली इस सब में अग्रणी है। आई.आई.टी. दिल्ली विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर डी.आर.डी.ओ. के साथ काम कर रहा है। जो वास्तव में स्वदेशी हैं और हमारे रक्षा बलों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ दे रही हैं। पिछले वर्ष हमारे संकाय सदस्यों ने फ्री-स्पेस क्वांटम कम्यूनिकेशन का प्रदर्शन किया, जो~1 कि.मी. की दूरी तक एन्क्रिप्टेड है। यह पहली बार था जब भारत में ऐसा किया गया और इसके साथ ही भारत उन कुछ देशों में शामिल हो गया, जिनके पास यह क्षमता है।

हम आगे बढ़ते हुए रक्षा अनुसंधान के क्षेत्र में उद्योगो के साथ मिलकर काम करेंगे। हमने 12 प्रौद्योगिकियाँ विकसित करके उद्योगों को हस्तांतरित की है ताकि वे बड़े पैमाने पर इनका उपयोग करके हमारी सशस्त्र सेनाओं को स्वदेशी रूप से विकसित सक्षम तकनीकें प्रदान कर सकें। जैसे–जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हम अन्य देशों के साथ नीतिगत संबंध बनाने पर भी कार्य कर रहे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए भारत सरकार द्वारा आई.आई.टी. दिल्ली के परिसर को संयुक्त अरब अमीरात में स्थापित करने के लिए कहा गया था और हमने आई.आई.टी. दिल्ली-अबू धाबी परिसर की स्थापना की। संयुक्त अरब अमीरात वह देश है जिसके पास बहुत सारे ऊर्जा संसाधन हैं, आई.आई.टी. दिल्ली-अबू धाबी में हम एक रिसर्च इकोलॉजी सिस्टम बनाने पर भी विचार कर रहे हैं।

इसलिए जब हम अपनी स्वतंत्रता के बारे में सोचते हैं तो हम सभी को यह देखना महत्वपूर्ण है कि हम अपने देश को आत्मनिर्भर बनाने में क्या और कैसे योगदान करते हैं। यह समय है जब हमें राष्ट्र के प्रति अपने आप को पुनः समर्पित करना है।

आप सभी को मैं पुनः स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देता हूँ।

जय हिन्द !

स्वागत

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/433608 दिनांक 07.08.2025 के अनुसार **प्रो. गरिमा रानी** ने 01.08.2025 से संस्थान के जैव–रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव–प्रौद्योगिकी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. गरिमा रानी को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/434165 दिनांक 08.08.2025 के अनुसार **प्रो. अमित कुमार गौरव** ने 01.08.2025 से संस्थान के कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. अमित कुमार गौरव को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/431546 दिनांक 04.08.2025 के अनुसार **प्रो. रोहित मलिक** ने 28.07.2025 से संस्थान के पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-12 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. रोहित मलिक को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/429332 दिनांक 28.07.2025 के अनुसार **प्रो. विवेक मिश्रा** ने 15.07.2025 से संस्थान के प्रबंध अध्ययन विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. विवेक मिश्रा को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/434148 दिनांक 08.08.2025 के अनुसार **प्रो. गोकुलनाथ थंडावरायण** ने 04.08.2025 से संस्थान के ऑटोमोटिव अनुसंधान एवं ट्राइबोलॉजी केन्द्र में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. गोकुलनाथ थंडावरायण को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/433897 दिनांक 08.08.2025 के अनुसार **प्रो. ओम प्रकाश** ने 04.08.2025 से संस्थान के रासायनिक इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के वेतन लेवल-11 में सहायक प्रोफेसर, ग्रेड-II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. ओम प्रकाश को उनकी नियुक्ति के तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक (जो भी पहले हो) संस्थान द्वारा प्रायोजित ''युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप'' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग-I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IESI/2025/434180 दिनांक 08.08.2025 के अनुसार **प्रो. अशोक कुमार भतेजा** ने 30.07.2025 से संस्थान के अमरनाथ एवं शशि खोसला सूचना एवं प्रौद्योगिकी स्कूल में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

बधाई (संस्थान अवार्ड–2024)

सहायक कुलसचिव (स्थापना अनुभाग–II) से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/E-2/2025/432259 दिनांक 05.08.2025 के अनुसार चयन समिति की सिफारिशों पर निदेशक महोदय द्वारा वर्ष, 2024 के लिए निम्नलिखित कर्मचारियों को उनके नाम के आगे दिए गए पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है:–

क्र. सं.	अवार्ड का नाम	अवार्डों की संख्या	प्रति पुरस्कार राशि (रु. में)
1	**लाइफटाइम अवार्ड**	02	50,000/-
2	**उत्कृष्ट कर्मचारी अवार्ड**	01	40,000/-
3	**संस्थान अवार्ड**	समिति द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार	20,000/-
4	**जुबली स्टाफ नकद अवार्ड**	01	36,000/-
5	**श्री राम ऋषि सिंह एवं श्रीमती मालती सिंह स्टाफ नकद अवार्ड**	02	36,000/-

''लाइफटाइम अवार्ड''

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम / पदनाम श्री / सुश्री / श्रीमती	कर्मचारी कोड संख्या	विभाग / केन्द्र / अनुभाग / एकक
1.	आनन्द प्रकाश उप कुलसचिव	25804	औ.अनु.वि.
2.	सुभाष चन्द उप तकनीकी अधिकारी	26659	यांत्रिक इंजीनियरी

''उत्कृष्ट कर्मचारी अवार्ड''

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम / पदनाम श्री / सुश्री / श्रीमती	कर्मचारी कोड संख्या	विभाग / केन्द्र / अनुभाग / एकक
1.	सक्षम सारस्वत प्रशासनिक सहायक	27802	संकायाध्यक्ष (शैक्षणिक) कार्यालय

''संस्थान अवार्ड''

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम / पदनाम श्री / सुश्री / श्रीमती	कर्मचारी कोड संख्या	विभाग / केन्द्र / अनुभाग / एकक
1.	दीपेश काण्डपाल प्रशासनिक सहायक	27651	स्थापना–2
2.	संदीप कश्यप उप तकनीकी अधिकारी	26905	भौतिकी
3.	प्रवीण कुमार सहायक (केयरटेकिंग)	27396	छात्रावास संगठन
4.	रवि कुमार प्रशासनिक सहायक	27479	अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएं
5.	विकास खटकर उप तकनीकी अधिकारी	27032	वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी
6.	इन्द्रमणि उप तकनीकी अधिकारी	26734	हिन्दी कक्ष
7.	दीपक कुमार लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक	27305	लेखा अनुभाग
8.	मनोरंजन कुण्डू उप तकनीकी अधिकारी	26684	वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी
9.	राजेश तोमर सहायक प्रशासनिक अधिकारी	26341	करियर सेवाएं कार्यालय
10.	ललित कपूर सहायक प्रशासनिक अधिकारी	26771	उप निदेशक (नीति एवं योजना) कार्यालय
11.	प्रकाश चन्द्र तकनीकी सहायक	27133	सुरक्षा एकक
12.	शुभ्रा गुप्ता कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी	27071	रसायन विज्ञान
13.	पंकज कुमार तकनीकी सहायक	27519	भौतिकी
14.	कृष्ण कुमार उप तकनीकी अधिकरी	26643	रासायनिक इंजीनियरी
15.	मीना खन्ना उप प्रशासनिक अधिकारी	26348	केन्द्रीय पुस्तकालय एवं एन.आर.एफ.
16.	विपिन सोनी तकनीकी सहायक	27589	अनुप्रयुक्त यांत्रिकी
17.	रविन्द्र सिंह सहायक सुरक्षा अधिकारी	27531	सुरक्षा एकक
18.	नईम अख्तर लेखा एवं लेखा परीक्षा सहायक	27049	लेखा अनुभाग
19.	हेमराज धोधावत तकनीकी सहायक	27524	सेन्स
20.	मो. आले इमरान कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी	27010	विद्युत इंजीनियरी

''जुबली स्टाफ नकद अवार्ड''

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम / पदनाम श्री / सुश्री / श्रीमती	कर्मचारी कोड संख्या	विभाग / केन्द्र / अनुभाग / एकक
1.	सतेन्द्र कनिष्ठ अधीक्षक (आथित्य)	27052	छात्रावास संगठन

''श्री राम ऋषि सिंह एवं श्रीमती मालती सिंह स्मृति स्टाफ नकद अवार्ड''

क्र. सं.	कर्मचारी का नाम / पदनाम श्री / सुश्री / श्रीमती	कर्मचारी कोड संख्या	विभाग / केन्द्र / अनुभाग / एकक
1.	कौशिक पहाड़ी उप तकनीकी अधिकारी	26695	सिविल इंजीनियरी
2.	सिमोना साबिया शमीम प्रशासनिक सहायक	27620	संकायाध्यक्ष (अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम) कार्यालय

संस्थान समुदाय एवं हिन्दी कक्ष की ओर से उपरोक्त सभी कर्मचारियों को पुरस्कार मिलने पर बहुत-बहुत बधाईयाँ।

सिविल इंजीनियरी विभाग के नाम में बदलाव

कुलसचिव कार्यालय से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/AREG/2025/433340 दिनांक 07.08.2025 के अनुसार सीनेट की अनुशंसा पर अभिशासक परिषद की 08.05.2025 को हुई 221 वीं बैठक में संकल्प संख्या BG/29/2025 द्वारा सिविल इंजीनियरी विभाग का नाम बदल कर **सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी विभाग** कर दिया गया है।

संस्थान में ''प्रेरणा, प्रोत्साहन, सद्भावना एवं पुरस्कार के माध्यम से सरकार की राजभाषा नीति का प्रभावी कार्यान्वयन'' विषय पर कार्यशाला–एक संक्षिप्त रिपोर्ट

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसरण में गृह मंत्रालय एवं शिक्षा मंत्रालय द्वारा समय–समय पर राजभाषा हिन्दी के संबंध में कार्यशाला एवं विचार–विमर्श संगोष्ठी इत्यादि आयोजित करने के लिए निर्देश जारी किए जाते हैं, इसी का अनुपालन करते हुए संस्थान में 27 जुलाई, 2025 को संस्थान के आई.आर.डी. सम्मेलन कक्ष में **''प्रेरणा, प्रोत्साहन, सद्भावना एवं पुरस्कार के माध्यम से सरकार की राजभाषा नीति का प्रभावी कार्यान्वयन''** विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 35 अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित नोडल अधिकारियों ने भागीदारी की। कार्यशाला के सत्र की अध्यक्षता प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, उप निदेशक (प्रचालन) द्वारा की गई। अतिथि वक्ता के रूप में श्री जगदीश राम पौरी निदेशक (राजभाषा) (सेवानिवृत्त), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को आमंत्रित किया गया था।

सर्वप्रथम डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष) ने गमला भेंट करके प्रो. अरविन्द कुमार नेमा, उप निदेशक (प्रचालन) तथा संस्थान कुलसचिव श्री अतुल व्यास जी का स्वागत किया। इसके उपरान्त प्रो. अरविन्द कुमार नेमा ने गमला भेंट करके अतिथि वक्ता श्री जगदीश राम पौरी जी का स्वागत किया। कार्यशाला की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए डॉ. चौरसिया ने कहा कि संस्थान में हिन्दी का प्रयोग बढाने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। आज की कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिन्दी में कार्य करने के प्रति प्रोत्साहित करना तथा मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों एवं लक्ष्यों को प्राप्त करना है। इस कार्यशाला का एक उद्देश्य नव नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इस धारा में जोड़ना भी है क्योंकि सरकारी सेवा में नीतियों का अनुपालन करना अनिवार्य है। इस कार्यशाला का एक उद्देश्य पिछले कुछ वर्षों में संस्थान द्वारा नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी राजभाषा नीति संबंधी प्रावधानों व संघ की राजभाषा नीति से अवगत कराना है। हिन्दी में कार्य करना हमारा प्रशासनिक दायित्व है। आज की इस कार्यशाला में हम 12 'प्र', तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा संविधान में राजभाषा की स्थिति पर चर्चा करेंगे।

संस्थान कुलसचिव श्री अतुल व्यास ने अतिथि वक्ता श्री जगदीश राम पौरी जी का संस्थान में स्वागत किया। आपने कहा कि भाषा थोपी नही जा सकती इसे स्वेच्छा से रूचि जगाकर ही सिखा जा सकता है। इसके उपरान्त डॉ. नीरज चौरसिया ने प्रो. नेमा को अध्यक्षीय संबोधन के लिए आमंत्रित किया।

कार्यशाला के अध्यक्ष प्रो. नेमा ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन के प्रारम्भ में श्री जगदीश राम पौरी जी का स्वागत करते हुए कहा कि श्री पौरी जी की उपस्थिति हमारे लिए गर्व का विषय है। आप पिछले लगभग 40 वर्षों से राजभाषा से जुड़े हुए हैं तथा इस क्षेत्र में आपका ज्ञान अपार है। संस्थान राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम लक्ष्यों को प्राप्त करने में सदैव प्रयासरत रहता है। आपने भारतेन्दु हरीशचन्द्र द्वारा रचित प्रसिद्ध पंक्तियॉ प्रेरणास्रोत की तरह उद्धृत की :–

''निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा-ज्ञान के, मिटत न हिय को सूल''।।

निज यानी अपनी भाषा से ही उन्नति संभव है, क्योंकि यही सारी उन्नतियों का मूलाधार है। सदभावना से प्रेरित होकर राजभाषा में कार्य करने के लिए हम इस समय का सदुपयोग करें।

डॉ. नीरज चौरसिया ने श्री जगदीष राम पौरी जी का परिचय देते हुए उन्हें कार्यशाला प्रारम्भ करने के लिए आमंत्रित किया। श्री जगदीश राम पौरी जी ने कहा जिस प्रकार गंगा नदी कण–कण की प्यास बुझाते हुए मैदानी भागों से होकर गंगासागर में मिलती है, उसी तरह हिन्दी भाषा वैदिक संस्कृत, प्राकृतिक, पालि, अपभ्रंश की यात्रा करते हुए सभी के हृदय में बसती हैं। आपने अनौपचारिक माहौल बनाते हुए बहुत ही सरल, सहज तरीके से राजभाषा के विविध प्रावधानों, संविधान की आठवीं अनुसूची, राजभाषा नीति, राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम तथा तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा **12 'प्र'** प्रेरणा (Inspiration and Motivation), प्रोत्साहन (Encouragement), प्रेम (Love and Affection), प्राइज अर्थात् पुरस्कार (Rewards), प्रशिक्षण (Training), प्रयोग (Usage), प्रचार (Advocacy), प्रसार (Transmission), प्रबंधन (Administration and Management), पदोन्नति (Promotion), प्रतिबद्धता (Commitment) और प्रयास (Efforts)) के माध्यम से राजभाषा के प्रसार पर चर्चा की। सभी प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह एवं मनोयोग से श्री जगदीश राम पौरी जी को सुना तथा अपने प्रश्न पूछकर समस्याओं का निवारण भी किया।

डॉ. नीरज चौरसिया (अध्यक्ष, हिन्दी कक्ष) ने संघ की राजभाषा नीति की जानकारी प्रदान करने के लिये अतिथि वक्ता को धन्यवाद दिया तथा आशा व्यक्त की कि सभी कर्मचारी यहां से प्राप्त जानकारी को अपनी प्रशासनिक दिनचर्या व कार्यों में शामिल करेंगे। उन्होने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन बारह 'प्र' को ध्यान में रखकर राजभाषा हिंदी का प्रभावी कार्यान्वयन करने की दिशा में सफलता प्राप्त होगी और हम सब मिलकर 'एक भारत' श्रेष्ठ भारतः 'सुदृढ़ आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने में सफल होंगे।

कार्यक्रम का संचालन श्रीमती इन्द्रमणि (उप तकनीकी अधिकारी) द्वारा किया गया हैं अंत में श्री कुमार सौरभ (सहायक कुलसचिव, हिन्दी कक्ष) ने सभी को कार्यशाला में भागीदारी के लिये धन्यवाद देते हुए कार्यशाला का समापन किया।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 7144

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com